**भारत सरकार**
**रेल मंत्रालय**

**लोक सभा**
**27.11.2024 के**
**अतारांकित प्रश्न सं. 375 का उत्तर**

**छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग**

**375. श्री महेश कश्यप:**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

**(क) 2014 से आज तक देश में विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में वर्ष-वार कितनी रेल पटरियां बिछाई गईं और कितनी रेलगाड़ियाँ शुरू की गईं;**

**(ख) 2014 से आज तक देश में विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के लिए कितनी नई रेल परियोजनाएं प्रस्तावित हैं; और**

**(ग) कुल परियोजनाओं में से स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या कितनी है और उनका ब्यौरा क्या है और इस संबंध में कितना बजट आवंटित किया गया है?**

**उत्तर**

**रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री**

**(श्री अश्विनी वैष्णव)**

**(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।**

*********

**छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के संबंध में दिनांक 27.11.2024 को लोक सभा में श्री महेश कश्यप के अतारांकित प्रश्न सं. 375 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।**

**(क) से (ग): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है और न कि राज्य-वार/जिला-वार, क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।**

**01.01.2024 की स्थिति के अनुसार छत्तीसगढ़ सहित भारतीय रेल पर लगभग 7.44 लाख करोड़ रुपए की लागत की 44,488 कि.मी. कुल लंबाई वाली 488 (187 नई लाइन, 40 आमान परिवर्तन और 261 दोहरीकरण) रेल अवसंरचना परियोजनाएं योजना/अनुमोदन/निर्माण के चरण में हैं, जिनमें से 12,045 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 2.92 लाख करोड़ रुपए का व्यय किया गया है।**

**लागत, व्यय और परिव्यय सहित सभी रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय-वार/वर्ष-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।**

**भारतीय रेल पर नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाओं के लिए औसत वार्षिक बजट आबंटन इस प्रकार है:**

| अवधि | औसत परिव्यय | 2009-14 के औसत आबंटन की तुलना में वृद्धि |
|---|---|---|
| 2009-14 | 11,527 करोड़ रुपए/वर्ष | - |
| 2024-25 | 68,634 करोड़ रुपए | लगभग 6 गुना |

भारतीय रेलों पर नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण खंडों को कमीशन करने का ब्यौरा इस प्रकार है:-

| अवधि | कुल कमीशन की गई लंबाई | कमीशन की गई औसत लंबाई | 2009-14 के औसत कमीशनिंग की तुलना में वृद्धि |
|---|---|---|---|
| 2009-14 | 7,599 कि.मी. | 4.2 कि.मी./दिन | - |
| 2014-24 | 31,180 कि.मी. | 8.54 कि.मी./दिन | 2 गुना से अधिक |

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पूर्व तट रेलवे और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन में आती हैं।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 37,018 करोड़ रुपए लागत की 2,731 कि.मी. कुल लंबाई वाली 25 परियोजनाएं (08 नई लाइन, 17 दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिसमें से 882 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और इस पर मार्च, 2024 तक 14,919 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए औसत बजट आबंटन निम्नानुसार है:

| अवधि | औसत परिव्यय | 2009-14 के औसत आबंटन की तुलना में वृद्धि |
|---|---|---|
| 2009-14 | 311 करोड़ रुपए/वर्ष | - |
| 2024-25 | 6,922 रुपए | लगभग 22 गुना |

इसके अतिरिक्त वर्ष 2009-14 और 2014-2024 के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले खंडों (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) को कमीशन करने का ब्यौरा इस प्रकार है:

| अवधि | कुल कमीशन की गई लंबाई | कमीशन की गई औसत लंबाई | 2009-14 के औसत कमीशनिंग की तुलना में वृद्धि |
|---|---|---|---|
| 2009-14 | 32 कि.मी. | 6.4 कि.मी./वर्ष | |
| 2014-24 | 999 कि.मी. | 99.9 कि.मी./वर्ष | लगभग 16 गुना |

वर्ष 2023-24 के दौरान, छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 49 कि.मी. खंडों को कमीशन किया गया है।

पिछले 10 वर्षों के दौरान देशभर में लगभग 2.32 लाख करोड़ रुपए की लागत की 19,748 कि.मी. कुल लंबाई वाली 309 परियोजनाएं (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं, जिनमें छत्तीसगढ़ में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 10,182 करोड़ रुपए की लागत की 1,225 कि.मी. कुल लंबाई वाली 18 परियोजनाएं (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) शामिल हैं।

बस्तर जिले से गुजरने वाली दल्लीराझरा-रावघाट-जगदलपुर रेल लाइन परियोजना (235 कि.मी.) को दो चरणों दल्लीराझरा-रावघाट (95 कि.मी.) और रावघाट-जगदलपुर (140 कि.मी.) में शुरू किया गया है। चरण-I अर्थात् दल्लीराझरा-रावघाट में 77 कि.मी. (दल्लीराझरा-ताड़ोकी) को कमीशन कर दिया गया है और इस परियोजना पर 31.03.2024 तक 1,028 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। चरण II अर्थात रावघाट-जगदलपुर (140 कि.मी.) की विस्तृत परियोजना रपट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है जिसकी लागत 3,513.11 करोड़ रुपए है।

इसके अलावा, छत्तीसगढ़ के बस्तर मंडल में पूर्णत:/अंशत: रूप से पड़ने वाली निम्नलिखित नई रेल लाइन परियोजनाओं के लिए सर्वेक्षण स्वीकृत किए गए हैं:

धमतरी-बांसकोट-कोंडागांव (183 कि.मी.), गढ़चिरौली-बीजापुर-बचेली (490 कि.मी.) और कोठागुडेम-किरंदुल (180 कि.मी.)

किसी भी रेल परियोजना (परियोजनाओं) का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा त्वरित भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के अधिकारियों द्वारा वन स्वीकृति, लागत में भागीदारी वाली परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा लागत में हिस्सेदारी जमा करना, परियोजनाओं की प्राथमिकता, अतिलंघनकारी सुविधाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियां, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों आदि के कारण किसी विशेष परियोजना स्थल के लिए एक वर्ष में कार्य महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

चूंकि रेल नेटवर्क राज्य और जिले की सीमाओं के आर-पार फैला होता है, इसलिए गाड़ियों को ऐसी सीमाओं के आर-पार नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार चलाया जाता है। वर्ष 2014-2015 से 2023-24 की अवधि के दौरान देश में 1931 गाड़ी सेवाएं आरंभ की गई हैं, जिसमें छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में स्थित स्टेशनों को सेवित करने वाली निम्नलिखित सेवाएं शामिल हैं:

(i) 15.08.2018 से आरंभ की गई 18513/18514 किरन्दुल-विशाखापटनम एक्सप्रेस।

(ii) 15.07.2019 से आरंभ की गई 78823/78816 दल्लीराझरा-केवटी डेमू।

(iii) 08.07.2023 से आरंभ की गई 08834/08833 रायपुर-अंनतागढ़ डेमू।

**इसके अलावा, यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निम्नलिखित सेवाएं बढ़ाई गईं हैं:**

**(i) 78815/78818 रायपुर-दुर्ग डेमू को गुडुम तक, क्रमश: 01.02.2016, 15.04.2018, 30.05.2019 और 13.08.2022 को उससे आगे भानुप्रतापपुर, केवटी और अंतागढ़ तक बढ़ाया गया।**

**(ii) 14.04.2023 से 07823/08816 दल्लीराझरा-केवटी डेमू को अंतागढ़ तक बढ़ाया गया।**

**(iii) 04.10.2023 से 08834/08833 रायपुर-अंतागढ़ डेमू को ताड़ोकी तक बढ़ाया गया।**

*****